स्वाध्याय

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) इस काव्य में प्रकृति के कौन-कौन-से तत्त्व है?

उत्तर : इस काव्य में प्रकृति के तत्व चंद्रमा, सूर्य, भूमि, आकाश, हवा और पानी है।

(2) काव्य का ऐसा शीर्षक 'एक जगत, एक लोक' क्यों रखा गया है?

उत्तर : पूरे विश्व को एक ही सूर्य प्रकाश देता है। विश्व में एक ही हवा चल रही है और पानी भी एक ही है। सबके जीवन में सुख और दु:ख समान हैं। सभी मनुष्यों का शरीर मांस और हड्डियों से बना है। इस तरह कवि ने पूरे विश्व की एकता सिद्ध की है। इसलिए इस काव्य का शीर्षक 'एक जगत, एक लोक' रखा गया है।

(3) आप इस काव्य को और कौन-कौन-से शीर्षक देना चाहेंगे?

उत्तर : हम इसके अलावा काव्य को ये शीर्षक देना चाहेंगे : 'एक विश्व, एक धरा' तथा 'हम सब विश्वबंधु'।

(4) सभी नदियाँ अलग-अलग है, फिर भी कवि क्यों कहते है कि एक ही पानी'?

उत्तर : सभी नदियों के पानी की वैज्ञानिक संरचना एक जैसी है। सभी नदियों के पानी का मनुष्य के लिए समान उपयोग है। इसलिए कवि अलग-अलग नदियों के पानी को 'एक ही पानी' कहते हैं।

प्रश्न 2. विलोम अर्थवाले शब्दों के जोड़े बनाइए और उदाहरण वाक्य में प्रयोग कीजिए:

उदाहरण : पास x दूर - मेरे घर के पास मीणा का घर है।

- मीना का घर मेरे घर से दूर नहीं है।

(1) शुभ x अशुभ शुभ दास

(2) चेतन x जड़

(3) जीवन x मृत्यु

(4) स्वामी दास

(5) प्रकाश अंधकार

वाक्य-प्रयोग:

(1) शुभ-विजयादशमी का दिन सबके लिए शुभ दिन है।
अशुभ- कल का दिन आपके लिए अशुभ था।

(2) चेतन - वृक्षों में भी चेतन है।
जड़-वनस्पति जड़ नहीं है।

(3) जीवन-औषधियों हमें जीवन देती हैं।
मृत्यु -औषधियाँ हमें मृत्यु से बचाती हैं।

(4) स्वामी- ईश्वर सबका स्वामी है।
दास-वह किसी का दास नहीं है।

(5) प्रकाश - सूर्य हमें प्रकाश देता है।

अंधकार-दीप अंधकार का नाश करता है।

प्रश्न 3. उदाहरण के अनुसार समान प्रासवाले शब्द बनाकर लिखिए :

उदाहरण : आना - जाना

सुनकर, मेहरबान, सेठानी, बागवान, जेठानी, पढ़कर

उत्तर : सुनकर - पढ़कर

मेहरबान - बागवान

सेठानी – जेठानी

प्रश्न 4. निम्नलिखित भाव दिवाली काव्य-पंक्तियों लिखिए :

(1) पूरे विश्व में एक ही सूर्य का प्रकाश है, एक ही हवा चल रही और एक ही प्रकार का जल है।

उत्तर : एक तेज, एक हवा, एक ही पानी।

(2) समता का यह गीत पूरा विश्व हमेशा गा रहा है।

उत्तर : हर्ष भरे गाएँ हम राग सुहाने

समता और ममता के गीत-तराने

प्रश्न 5. समानार्थी शब्द ढूंढकर घेरा बनाइए और लिखिए :

वि	श्व	चि	णि	स	सं
दु	आ	पा	ह्न	म्मा	ज्ञा
नि	का	ग	ग	न	भ
या	श	आ	स	मा	न
प्र	ति	ष्ठा	त	ह	स्त

उत्तर :

(1) लोक = विश्व, दुनिया

(2) मान = सम्मान, प्रतिष्ठा

(3) निशान = चिह्न, संज्ञा

(4) हाथ = हस्त, पाणि

(5) तअंबर = आकाश, आसमान, गगन

प्रश्न 6. प्रश्न 5 में दिए गए कोष्ठक में से आपने जो दो समानार्थी ढूंढे है, उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

उदाहरण: हाथ-पाणि

हाथ : ज्योतिषी ने सीता का हाथ देखा।

पाणि : लड़की के पाणि सुंदर हैं।

उत्तर:

(1) विश्व - सारा विश्व एक है।
दुनिया - दुनिया में बहुत-से देश हैं।
(2) सम्मान - हम बड़ों का सम्मान करें।
प्रतिष्ठा - अच्छे कामों से हमारी प्रतिष्ठा बढ़ती है।
(3) चिह्न - यह किसी के पैर का चिह्न है।
संज्ञा - दरवाजे पर कोई संज्ञा नहीं है।
(4) हस्त - हस्त की शोभा दान है।
पाणि - सीता ने पाणि से पानी पिया।
(5) आकाश - आकाश का कहीं अंत नहीं है।
आसमान - आसमान का रंग नीला है।
गगन-धीरे-धीरे गगन बादलों से छा गया।

प्रश्न 7. नीचे दिए हुए चौरस में से उदाहरण के अनुसार संज्ञा शब्द बनाइए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए :

उदाहरण : फूल - यह फूल सुंदर है।

क	म	ल	अं	गं	द
सा	ग	र	हि	त	थ
स	र	म	मा	ल	वा
रं	भा	फू	ल	आ	प
क	र	व	य	र	छ
द	त	मा	ल	ती	त

उत्तर:

(1) कमल-तालाब में कमल खिले हैं।

(2) सागर-सागर की शोभा दर्शनीय है।

(3) भारत - भारत विशाल देश है।

(4) हिमालय - हिमालय सबसे ऊँचा पर्वत है।

(5) आरती - मंदिर में आरती के समय बहुत भीड़ होती है।